CHETANA
International Journal of Education (CIJE)
CHETANA - INTERNATIONAL JOURNAL OF EDUCATION
CIJE
Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)
Impact Factor
SJIF 2025 - 8.445

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति शिक्षण प्रशिक्षणार्थियों की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन

डॉ. सुनील कुमार
निदेशक
डिम्पल गोयल
शोधार्थी
लॉर्ड्स विश्वविद्यालय, चिकानी, अलवर, राजस्थान
Email- dimplegoyal14012005@gmail.com, Mobile-9530244688

……………………………………………………………………….
First draft received: 15.04.2025, Reviewed: 22.04.2025
Final proof received: 24.05.2025, Accepted: 06.06.2025

शोध-सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोण, शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता तथा शिक्षण अधिगमसामग्री के प्रति सरकारी प्रयासों एवं दिशा–निर्देशों का अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध कार्य को करने के लिये शोधार्थी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। उपकरण के अन्तर्गत स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। जिसमें 16 कथनन त्रिबिन्दु मापनी पर आधारित थे तथा 06 कथन खुले विकल्पों पर आधारित थे। आंकड़ों का विश्लेषण करने हेतु प्रतिशत का प्रयोग किया गया है। अध्ययन से परिणाम प्राप्त हुये कि शिक्षकों का शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता नकारात्मक स्थिति को दर्शाती है तथा शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रति सरकारी प्रयासों एवं दिशा निर्देशों में अभी नकारात्मक स्थिति को दर्शाती है।

मुख्य शब्द : *शिक्षण अधिगम सामग्री,*

प्रस्तावना

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने में शिक्षण अधिगम सामग्री की भूमिका बहुत अधिक होती है। विज्ञान और तकनीकी के विकास के फलस्वरूप शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को बच्चों के संज्ञानात्मक विकास के अनुरूप बनाने के लिये शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग की अनुशंसा बहुत से अनुसंधान करते हैं। शिक्षण और अधिगम के सिद्धांतों के अनुसार विद्यार्थियों को शिक्षण अधिगम के दौरान बहुइन्द्रिय अनुभव प्रदान करने पर जोर दिया जाना चाहिये। वर्तमान में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के विकास के साथ शिक्षकों के लिये और अधिक विकल्प उपलब्ध हुऐ हैं।

शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर आज सूचना एवं सन्प्रेषण तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है, जिसका प्रयोग शिक्षा के उद्‌देश्यों को प्राप्त करने, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को रूचिकर बनाने, अधिगम को स्थायित्व प्रदान करने तथा विद्यार्थियों को स्वयं ज्ञान की रचना करने के अवसर प्रदान करने के लिये किया जाता है। शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोगएक ओर शिक्षार्थियों के लिये लाभदायक होता है, वहीं दूसरी तरफ शिक्षकों के द्वारा इसका कक्षा शिक्षण के दौरान सार्थक प्रयोग करना अधिगम को रूचिकर बना सकता है। उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की समझ अत्यधिक विकसित हो चुकी होती है, वहीं प्राथमिक स्तर पर बालकों में अमूर्त स्तर की अवधारणाओं को समझने में कठिनाई होती है। इस कठिनाई को दूर करने या अधिगम को सुगम बनाने में शिक्षण अधिगम सामग्री शिक्षकों और बालकों दोनों के लिये बहुत सहायक होती है।

शिक्षण अधिगम सामग्रियों के द्वारा सीखा ज्ञान न केवल छात्रों में उत्साह जाग्रत करता है, वरन सीखे हुये ज्ञान को लम्बे समय तक अपने स्मृति पटल में संजोए रख सकता है।

शेखर, के. रेड्डी, वी.येला., नागार्जुन, टी.आई. (2014) ने शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन किया व पाया कि अध्यापकों की आयु व उनका शिक्षण अनुभव शिक्षण सामग्री के प्रयोग के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। कम आयु वाले व अधिक शिक्षण अनुभव रखने वाले शिक्षक अपने अध्ययन में शिक्षण सामग्री का प्रयोग अधिक करते हैं।

ए. फ्रेन्सिस, 2011 में अपने अध्ययन में पाया कि दृश्य–श्रव्य सामग्री कक्षागत् शिक्षण की व भाषागत संकेतों को समझने की जटिलताओं को कम करती है।

एस. हेरिस (2002) ने कक्षा शिक्षन में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग को महत्वपूर्ण माना तथा उनका कहना है कि सुबना एवं सम्प्रेषन तकनीकी जहां एक ओर शिक्षण अधिगम को बढ़ाती है वहीं है वही छात्रों को भविष्य के लिये तैयार भी करती है।

शिक्षण अधिगम सामग्री के निर्माण, उपलब्धता, उनके संचालन के लिये आधारभूत ढांचे की कमी आदि ऐसी समस्यायें है जो विद्यार्थियों के अधिगम पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। इस दृष्टि से शिक्षण अधिगम सामग्री के कक्षा शिक्षण के दौरान प्रयोग के प्रति शिक्षकों की प्रतिक्रियाओं और समस्याओं को समझना आवश्यक है ताकि इस दिशा में सकारात्मक प्रथारों के लिये उचित कदम उठाये जा सकें।

उद्देश्य

1. शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
2. शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता की स्थिति का विश्लेषण करना।
3. शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रति सरकारी प्रयासों एवं दिशा निर्देशों का अध्ययन करना।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री के द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का यादृच्छिक रूप से चयन किया गया।

शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री के द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री के कक्षा शिक्षण के दौरान प्रयोग के प्रति शिक्षकों की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया, जिसमें 16 कथन त्रिबिन्दु मापनी पर आधारित है, जिनके अनुक्रिया विकल्प हां, नहीं, कभी कभी निर्धारित किये गये है इसके अतिरिक्त 06 कथन खुले विकल्प पर आधारित है।

सांख्यिकी विधि

आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिये प्रतिशत का प्रयोग किया गया है।

तालिका सं. 01

शिक्षकों का शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन

क्र स	कथन	हाँ		नहीं		कभी–कभी	
1.	आपके द्वारा शिक्षण कार्यों में शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग किया जाता है।	68	61.82%	21	19.09%	21	19.09 %
2.	आप शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करना उचित नहीं समझते हैं।	02	1.81 %	85	77.27%	23	20.91 %
3.	रेडियो के शिक्षा कार्यक्रमों का प्रयोग कक्षा शिक्षण के दौरान नहीं करना चाहिये।	22	20%	66	60%	22	20%
4.	मानचित्र, रेखाचित्र, दृश्य–श्रव्य सामग्री, शिक्षण की प्रभावशीलता को प्रभावित नहीं करती है।	22	20%	78	70.91%	10	9.09 %
5.	शिक्षण सहायक सामग्री का शिक्षण गतिविधियों पर कोई खास सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है।	03	2.73 %	83	75.45%	24	21.82 %
6.	शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करने से विद्यार्थी कक्षा में रुचि लेते हैं।	77	70%	10	9.09 %	23	20.91 %
7.	दूरदर्शन (टी.वी.) के शिक्षा कार्यक्रमों का प्राथमिक कक्षाओं में उपयोग करना चाहिये।	74	67.27%	03	2.73 %	33	30%
8.	शिक्षक द्वारा स्वयं के आर्थिक खर्च से शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करना उचित है।	12	10.91%	83	75.45%	15	13.64 %

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका संख्या 01 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 61.82 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग शिक्षण कार्य के दौरान किया जाता है। 77.27 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग के प्रति सकारात्मक है अर्थात शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करना उचित समझते हैं। 60 प्रतिशत शिक्षकों का मानना है कि सरकार द्वारा रेडियों पर प्रसारित किये जाने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रयोग शिक्षण के दौरान किया जाना उचित होगा, जिससे छात्र–छात्रायें लाभ उठा सकेंगे। 70.91 प्रतिशत शिक्षकों का कहना है कि शिक्षण सहायक सामग्री शिक्षण की प्रभावशीलता को प्रभावित करती है। 70 प्रतिशत शिक्षकों का मत है कि शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करने से विद्यार्थी कक्षा गतिविधियों में रूचि लेते है। शिक्षण सहायक सामग्री के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के बाबजूद 75.45 प्रतिशत शिक्षक स्वयं के आर्थिक खर्च से इसका प्रयोग करना उचित नहीं समझते हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोण के अध्ययन में शिक्षक अपना दृष्टिकोण सकारात्मक व्यक्त करते हैं। लेकिन सरकार की ओर से शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध न होने पर प्राथमिक शिक्षक स्वयं के खर्च से शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करना उचित नहीं समझते है जोकि शिक्षकों में अपनी जिम्मेदारियों का उचित प्रकार निर्वाहन न करने एवं सरकार द्वारा उन्हें शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग के प्रति प्रेरित न करना दर्शाता है। अच्छी सरकारी नीतियों एवं मार्गदर्शन के द्वारा शिक्षकों को अच्छे शिक्षण कार्य के लिये अभिप्रेरित किया जा सकता है।

तालिका सं. 02

शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता की स्थिति का विश्लेषण

क्र स	कथन	प्रतिक्रियाएँ	कुल	प्रतिशत
1.	बी.आर.सी द्वारा शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध कराने के लिये क्या प्रयास किये जाते हैं?	मॉडल उपलब्ध कराना	25	22-72%
		चार्ट उपलब्ध कराना	15	13.63%
		विज्ञान किट उपलब्ध कराना	15	13.63%
2.	एस.सी.ई.आर.टी या एन.सी.ई.आर.टी के द्वारा विकसित विभिन्न शिक्षा कार्यक्रमों की कौन–कौन सी सी.डी. आपके विद्यालय में उपलब्ध हैं।	कोई नहीं	70	63.63%
		विज्ञान शिक्षण की सी.डी.	15	13.63%
		अंग्रेजी शिक्षण की सी.डी.	15	13.63%
3.	शिक्षण सहायक सामग्री की अनुपलब्धता का प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर क्या प्रभाव पड़ता है।	अधिगम में अरुचि	105	95.45%
		मानसिक विकास में कमी	25	22.72%
		निम्न स्तर का शिक्षण	22	20 %
		शिक्षण में कठिनता	15	13.63%
		सीखने की उपलब्धि में कमी	15	13.63%

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका सं. 02 में विद्यालयों में शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता की स्थिति का विश्लेषण करने से सम्बन्धित खुले विकल्प वाले प्रश्नों में 22.72 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा जानकारी दी गयी कि बी.आर.सी. द्वारा शैक्षिक मॉडल उपलब्ध कराये जाते हैं जबकि 13.63 प्रतिशत शिक्षकों ने चार्ट व विज्ञान की किट को भी उपलब्ध कराये जाने की बात कही। 63.63 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा जानकारी दी कि एस.सी.ई.आर.टी या एन.सी.ई.आर.टी. के द्वारा विकसित शिक्षा कार्यक्रमों की कोई भी सी.डी. उनके महाविद्यालय में उपलब्ध नहीं कराई जाती है अर्थात विद्यालयों में एस.सी.ई.आर.टी या एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा शैक्षिक कार्यक्रमों की विभिन्न प्रकार की सी.डीक विद्यालयों में उपलब्ध न कराना उनका शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को व्यक्त नहीं करता। शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण वृद्धि एवं बच्चों के शैक्षिक ज्ञान में वृद्धि करने हेतु आवश्यक है कि महाविद्यालयों में समय–समय पर विषयानुकूल शैक्षिक सी.डी. उपलब्ध करायी जानी चाहिये। शिक्षा में तकनीकी का समावेश करते हुये उसे प्रभाव पूर्ण व उददेश्यपूर्ण बनाये जाने की आवश्यकता है। 95.45 प्रतिशत शिक्षकों नें शिक्षक सहायक सामग्री की अनुपलब्धता के प्रश्न के जवाब में छात्र–छात्राओं की अधिगम में अरुचि का होना बताया है। शिक्षण सहायक सामग्री छात्र एवं छात्राओं में अधिगम के प्रति रुचि को विकसित करती है ओर विषय वस्तु को स्पष्ट करने व समझने में सहायता प्रदान करती हैं। अतः शिक्षण सामग्री का महाविद्यालय में उपलब्ध न होने पर छात्र–छात्राओं का अधिगम के प्रति अरूचि का विकास होता है।

डॉ. सुनील कुमार
डिम्पल गोयल

तालिका सं. 03

शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति सरकारी प्रयासों या दिशा–निर्देशों का अध्ययन करना

क्र स	कथन	हाँ		नहीं		कभी–कभी	
1.	सरकार द्वारा शिक्षण को प्रभावशाली बनाने हेतु कदम उठाये जाते हैं।	78	70.91 %	11	10%	21	19.09%
2.	सरकार द्वारा शिक्षण सहायक सामग्री के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।	34	30.91 %	44	40%	32	29.09%
3.	सरकार द्वारा शिक्षकों को नई शिक्षा तकनीकियों के प्रयोग के लिए प्रेरित करते हैं	47	42.73 %	21	19.09 %	42	38.18%
4.	शिक्षा अधिकारी आपको शिक्षण में नई तकनीकियों के प्रयोग के लिए प्रेरित करते हैं।	63	57.28 %	15	13.64 %	32	29.09%
5.	शिक्षण सहायक सामग्री के निर्माण में एस.ई.आर.टी. के प्रशिक्षकों द्वारा तकनीकी सहायता मिलती है।	06	5.45 %	80	72.73 %	24	21.82%

तालिका सं. 04

शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति सरकारी प्रयासों या दिशा निर्देशों के अन्तर्गत खुले विकल्प वाले प्रश्नों का विश्लेषण

क्र स	कथन	प्रतिक्रियाएँ	कुल	प्रतिशत
1.	शिक्षण को प्रभावशाली बनाये जाने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जाते हैं?	विभिन्न प्रशिक्षण	90	81.81%
		शिक्षण अधिगम की सामग्री की उपलब्धता	25	22.72%
		मीना की दुनिया का प्रचार	15	13.63%
2.	शिक्षण को प्रभावशाली बनाये जाने के लिये नई तकनीकियों के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है।	भ्रमण विधि	56	50.90%
		कम्प्यूटर प्रणाली	25	22.72%
		चार्ट का प्रयोग	25	22.72%
		कठपुतली द्वारा शिक्षण	10	9.09%
		स्वयं करके सीखना	40	36.36%
		शिक्षण अधिगम सामग्री	25	22.72%
3.	आधुनिक श्रव्य–दृश्य उपकरणों के संचालन के लिये विद्युत आपूर्ति के कौन–कौन से स्त्रोत उपलब्ध है।	विद्युत ऊर्जा	80	72.72%
		सौर ऊर्जा	15	13.63%
		बिजली कनेक्शन नहीं है	60	54.54%

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध में शिक्षकों से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर शिक्षकों का शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति दृष्टिकोण सम्बन्धी सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त हुई लेकिन शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता तथा महाविद्यालयों में इनके उपलब्ध कराने में सरकारी प्रयासों की नकारात्मक स्थिति को दर्शाती है। इस दृष्टि से सरकारी स्तर पर अभी और प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुरूप शिक्षण अधिगम सामग्री को बेहतर ढंग से उपलब्ध कराया जा सके।

शिक्षण अधिगम सामग्री का शिक्षकों द्वारा शिक्षण के दौरान प्रयोग करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि उन्हें इस कार्य हेतु कितना अभिप्रेरित किया गया है? शिक्षकों को कितनी शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध कराई गयी है? प्राथमिक स्तर पर जब तक सरकारी प्रयासों के साथ–साथ शिक्षकों का दृष्टिकोण शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रति सकारात्मक नहीं होगा स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी। आवश्यकता है सिर्फ शिक्षकों को जागरूक, प्रेरितएवं प्रशिक्षण देने की।

सन्दर्भ सूची

1. सक्सैना, एन.आर. स्वरूप तथा चतुर्वेदी, शिखा (2007), 'उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक', आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।
2. सक्सैना, सरोज, 'शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार', साहित्य प्रकाशन, आगरा।
3. सिंह, जे.पी. (2008) 'समाजशास्त्र : अवधारणाएँ एवं सिद्धान्त', पीएचआई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
4. सिंह, जे.पी. 'आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन', प्रेंटिस हॉल ऑफ इन्डिया, नई दिल्ली।